

दुर्लभ कैराकल शावक

चर्चा में क्यों?

वशिष्टजों ने जैसलमेर के मरुस्थल में [दुर्लभ कैराकल \(Caracal\) शावक](#) की उपस्थिति की पुष्टि की है, जो राजस्थान के लिये एक महत्वपूर्ण वन्यजीव खोज है।

- इस खोज के बाद प्रशासन ने जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में [जनसंख्या सर्वेक्षण](#) प्रारंभ कर दिया है तथा गश्त को और तेज़ कर दिया गया है।

मुख्य बटु

- कैराकल के बारे में:



- कैराकल एक मध्यम आकार की जंगली बिल्ली है, जो भारत सहित अफ्रीका, मध्य-पूर्व और [दक्षिण एशिया](#) के कुछ हिस्सों में पाई जाती है।
- भारत में इसकी अनुमानित जनसंख्या लगभग 50 है, जो मुख्यतः राजस्थान और गुजरात में पाई जाती है।
- यह स्थानीय पारस्थितिकी तंत्र में एक शिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और अपनी [वशिष्ट शारीरिक विशेषताओं](#) तथा उल्लेखनीय [शिकार क्षमताओं](#) के लिये जानी जाती है।
- आवास:
 - कैराकल [सवाना](#), [अर्द्ध-मरुस्थल](#), [शुष्क वन क्षेत्र](#), [चट्टानी पहाड़ियाँ](#), [शुष्क पर्वतीय मैदानों](#) तथा [शुष्क पर्वतीय क्षेत्रों](#) के लिये अनुकूल है।
- वर्गीकरण और संबंध:
 - कैराकल वास्तविक लक्स की तुलना में [अफ्रीकी गोलडन बिल्ली](#) और [सर्वल](#) से अधिक नजदीक से संबंधित है, हालांकि इसे

प्रायः "रेगस्तानी लक्स" कहा जाता है।

- भारत में इसे 'स्याहगोश' कहा जाता है, जो फारसी शब्द से व्युत्पन्न है, जिसका अर्थ है 'काले कान'।
- इसका वैज्ञानिक नाम **कैराकल कैराकल स्मटिज़ी** है।

■ **शारीरिक विशेषताएँ:**

- कैराकल का शरीर पतला और पैर लंबे होते हैं तथा यह अफ्रीका की छोटी बलिलियों में सबसे बड़ी होती है।
- वयस्कों का **वज़न 8-18 किलोग्राम** तक होता है और इनकी लंबाई लगभग एक मीटर तक पहुँच सकती है। नर सामान्यतः मादाओं से बड़े होते हैं।
- इसका फर छोटा और घना होता है, जिसका **रंग हल्के भूरे से लाल-भूरे** तक होता है, जबकि नीचे का भाग हल्का रहता है।
- चेहरे पर **वशिष्ट रेखाएँ** और आँखों के चारों ओर **सफेद नशान** इसकी पहचान हैं।

■ **संरक्षण की स्थिति:**

- **IUCN रेड लिस्ट:** कम चिंताजनक
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972:** अनुसूची 1

■ **खतरे:**

- आवास का क्षरण, शिकार-आधार में कमी तथा **मानव-वन्यजीव संघर्ष**।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rare-caracal-cub>

